आधार पाठ्यक्रम परीक्षा-2013
प्रतिदर्श उत्तर-पत्र
हिंदी, AS-2609
बी.कॉम -प्रथम सेमेस्टर

4442
9.12.13

खण्ड 'अ'
अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1-
(i) बस्तर में बाघ
(ii) दिवास्वप्न
(iii) जुम्मन शेख
(iv) पानी, नीर
(v) देवनागरी
(vi) गुलशेर खाँ शानी
(vii) 'आपका भविष्य 'उज्ज्वल' है।'
(viii) धनपत राय
(ix) यथार्थोन्मुख

खण्ड 'ब'
लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-2- "मनुष्य अपने भाग्य का स्वयं निर्माता होता है।" प्रस्तुत पंक्ति के पल्लवित स्वरूप में व्यक्ति के द्वारा किये गये कर्मों की प्रकृति और प्रवृत्ति ही उसके जीवन में प्राप्त होने वाली सफलता-असफलता, सुख-दुःख का कारण होती है; जैसे आशा-वादी और कर्म प्रधान वाक्यों का विस्तार अपेक्षित है। भाग्य भरोसे बैठे रहने से कार्य और उसका परिणाम आशानुरूप नहीं होगा, इस पंक्ति का मूल भाव है परीक्षार्थियों इसी भाव की विस्तार की अपेक्षा प्रस्तुत प्रश्न के उत्तर में है।

प्रश्न-3- 'संक्षेपण' और 'पल्लवन' के बीच अन्तर या भेद बताने के क्रम में निम्न बिन्दुओं के उल्लेख की अपेक्षा है -
- संक्षेपण में दिये गये किसी गद्यखण्ड का एक तिहाई ($\frac{1}{3}$) भाग प्रस्तुत किया जाता है जबकि पल्लवन में किसी सूक्ति की व्याख्या की जाती है।
- संक्षेपण किसी गद्यांश का सारांश होता है, उसका छोटा और पूर्ण रूप होता है जबकि पल्लवन में किसी एक वाक्य का विस्तार किया जाता है।
- 'संक्षेपण' अर्थात् संक्षिप्त अंश और पल्लवन अर्थात् पल्लवित या विस्तृत व्याख्या।

पल्लवन में वाक्य का विश्लेषण और व्याख्या प्रस्तुत की जाती है जबकि संक्षेपण में गद्यांश के विस्तार को संश्लेषित करते हुए उसके मूल बातों को स्पष्ट किया जाता है।

प्रश्न-4. 'जुम्मन' के चरित्र की विशेषताओं में उसकी न्यायप्रियता, आदर्शवादिता मित्र वत्सलता और उसकी मनोदशा के द्वंद्व का उल्लेख करना इस प्रश्न के उत्तर में अपेक्षित है। कथानक की घटनाओं के साथ जुम्मन के व्यक्तित्व की व्याख्या उत्तर को पूर्णता देगी।

प्रश्न-5. देवनागरी लिपि की विशेषता लिखते समय सर्वप्रथम देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय और उसका स्वरूप लिखना होगा तत्पश्चात उसकी दो प्रमुख विशेषताओं - वैज्ञानिक लेखन और उच्चारण में एकरूपता, ध्वनियों के उच्चारण स्थान की वैज्ञानिक व्यवस्था आदि में से दो के उल्लेख की अपेक्षा प्रश्न के उत्तर से की जायेगी।

प्रश्न-6- प्रस्तुत गद्यांश के संक्षेपण के क्रम में समाज और संस्कृति की अन्योन्याश्रितता को व्याख्यायित करना अपेक्षित है। संक्षेपण करते समय यह ध्यान रखना होगा कि गद्यांश का एक तिहाई ($\frac{1}{3}$) भाग ही उसका संक्षिप्त रूप होता है अतः तीन से चार पंक्तियों में संक्षेपण को पूरा करना उचित होगा।

खण्ड 'स'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-7- 'पंचपरमेश्वर' कहानी का सारांश प्रस्तुत करते समय कहानी के विविध घटना चित्रों, पात्रों की मनःस्थितियों, पंचायत बैठने के पूर्व की स्थितियों, दोनोंबार के पंचायत के निर्णयों का उल्लेख अपेक्षित है।

प्रश्न-8- प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखते समय पत्र में दिनाङ्क, सेवा में, विषय, तथ्य, सम्बोधन, अभिवादन और भवदीय जैसे औपचारिक विशेषताओं के स्थान और प्रयोगों पर ध्यान दिया जायेगा; अतः औपचारिक पत्र की विशेषताएँ इस पत्र में अपेक्षित हैं।

प्रश्न-9- 'बहता में बाध' संस्मरण गुलशेर खाँ शानी के द्वारा लिखी गई है। इस संस्मरण से उद्धृत प्रस्तुत पंक्तियों कि सप्रसंग व्याख्या करते समय पंक्ति के शुरुआत और आखीर के अंशों को संकेत रूप में प्रस्तुत करने के बाद संदर्भ, फिर प्रसंग और उसके बाद व्याख्या के क्रम को ध्यान में रखा जायेगा। व्याख्या के पश्चात 'विशेष' उपशीर्षक के अन्तर्गत गद्यांश की विशेषताओं का उल्लेख उत्तर की पूर्णता के लिये अपेक्षित होगा। विशेषताओं में वातावरण का चित्रण और लेखन की दूसरी विशेषताएँ प्रस्तुत की जा सकती हैं।

[signature]

B.A./B.Sc./B.S.W. I, Semester (1)

हिन्दी, आधार पाठ्यक्रम परीक्षा-2013

प्रतिदर्श उत्तर-पत्र,

AS-2609 (A)

५३७
06.12.13

प्रश्न-1. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर-

(i) 'अँगूठा चूमना'- खुशामद करना, झूठी प्रशंसा करना।

(ii) 'आ बैल मुझे मार'- जानबूझकर मुसीबत मोल लेना..वाक्य-"मैं जानता हूँ मैंने उत्तर ठीक नहीं लिखा है, ऐसे में पुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन कराने पर आ बैल मुझे मार जैसी स्थिति हो जायेगी।"

(iii) हिन्दी
(iv) देवनागरी
(v) दिवास्वप्न
(vi) जल, नीर आदि
(vii) अनिष्ट
(viii) संस्मरण
(ix) लोरी
(x) अम्बर, नभ आदि

प्रश्न-2. 'लघु उत्तरीय प्रश्न'

क- • निष्पक्ष न्याय के लिए। • मित्र-सम्बन्ध का महत्व 'पंच' पद की गरिमा से छोटा होता यह बताने के लिए। • खाला (मौसी) के कहे शब्दों की मार्मिकता के प्रभाव के कारण।

ख- 'नशा' कहानी में प्रेमचन्द ने व्यक्ति की मनः स्थिति के प्रभावित और परिवर्तित होने की सहज वृत्ति को मनोवैज्ञानिक शैली में व्यक्त किया है। सामन्ती संस्कार-व्यवस्था की तुलना में कहीं अलग और विशेष रूप में मानवीयता को प्रतिष्ठित करने का लक्ष्य लेकर इस कहानी की रचना हुई है।

ग- 'भोलाराम का जीव' हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचना है। इसमें व्यंग्य के माध्यम से उन्होंने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, घूसखोरी और उससे उत्पन्न स्थितियों को बड़ी ही मार्मिकता के साथ उद्घाटित किया है। भोलाराम का जीव फाईलों में-कागज़ों में उलझा है जो तभी मुक्त होगा जब कर्मचारियों को घूँस दिया जायेगा। और फाईल खोली जायेगी आदि आदि-

'घ' ⊙ ध्वनि चिह्न संस्कृत व्याकरण के अनुसार व्यवस्थित है जिससे एक स्थान से उच्चरित वर्ण अक्षर एक वर्ग में रखे जाते हैं

⊙ यह लिपि भाषा वैज्ञानिक कसौटियों पर खरी उतरती है।

⊙ लेखन और उच्चारण में एक रूपता है ⊙ मात्रा और वर्ण के चिह्न पर्याप्त भिन्न हैं।

• उच्चारण स्थान, प्रयत्न आदि दृष्टि से यह लिपि व्यवस्थित है जो व्याकरण के मानक स्वरूप के अनुसार है।

०. इस लिपि में जो लिखा जाता है, वही बोला जाता है और जो बोला जाता है वही लिखा जाता है आदि, आदि

ङ. -- हिन्दी के की-बोर्ड का विकसित रूप, प्रियंका, श्रुतिदेव, पाणिनि जैसे फॉन्ट का उल्लेख, इस प्रश्न के उत्तर में अपेक्षित है। हिन्दी के विविध सॉफ्टवेयर्स जैसे 'बाराहा' का उल्लेख होना चाहिए।

• अनुस्वार, मात्रा, विसर्ग द्वित्व वर्ण, संयुक्ताक्षर आदि चिह्नों के लिये की-बोर्ड को तैयार किया जा रहा है, कुछ हो भी गया है, ऐसी सूचनाएँ उत्तर में अपेक्षित होंगी।

प्रश्न-3 - विस्तृत उत्तरीय प्रश्न -

क- ⊙ मुहावरे के अन्त में 'ना' का प्रयोग होता है लोकोक्ति में नहीं।

⊙ लोकोक्ति लोक प्रचलित उक्ति है जो अनुभव के आधार पर वाचिक परम्परा में होता है जबकि मुहावरे में साहित्यिकता होती है।

⊙. मुहावरों में लक्षणा की प्रधानता होती है जबकि लोकोक्ति में व्यञ्जना की।

⊙ मुहावरे के वाक्य को थोड़ा बहुत परिवर्तित कर सकते हैं; लोकोक्ति को नहीं।

०. मुहावरा वाक्यांश होता है जबकि लोकोक्ति पूरी वाक्य के रूप में होती है।

ख- देवनागरी लिपि के मानक स्वरूप में स्वर, व्यञ्जन, विसर्ग संयुक्ताक्षर, विदेशी ध्वनि चिह्न आदि की व्यवस्था दिखाने के साथ-साथ उसके महत्व को बताया जायेगा। विशेषता में लिपि की वैज्ञानिकता, ध्वनि चिह्नों की व्यवस्था आदि लिखना अपेक्षित होगा

ग- 'बस्ता में बाढ़' संस्मरण गुलशेर खाँ शानी के संस्मरणों के संकलन "सालवनों के द्वीप' से लिया गया है। इस संस्मरण में शानी ने 'माडिन' नदी और वहाँ के अंचल की विशेषता को उद्घाटित करने के साथ एक हृदय विदारक और दुखद घटना 'बाढ़' के द्वारा 'कोसी' को मार डालने को पूरी सजीवता, चित्रात्मकता और रोमांचक शैली में प्रस्तुत किया है।

घ- सप्रसंग व्याख्या - 'एड ने ...... बैठी है'

लेखक - गुलशेर खाँ शानी, संकलन - साल वनों के द्वीप, संस्मरण शीर्षक - बस्तर में बाघ
प्रस्तुत गद्यांश में लेखक की अपनी मन:स्थिति, 'एड' के असहाय आँखों से देखने का अर्थ, 'बाघ' द्वारा किसी को मार डालने के बाद की मन:स्थितियों के सापेक्ष क्षेत्र में फैली भय और दहशत की व्यंजना उत्तर में अपेक्षित होगी।

सन्दर्भ, प्रसंग, व्याख्या और विशेष के क्रम से व्याख्या प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

Rajesh Mishra
डॉ० राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी
गुरु घासीदास वि० वि०, बिलासपु